ज्ञान की पॉवर ऐसी है...

ब्र.कु. शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

एक बहन माउण्ट आबू आई। वो विदेश में रहती है। दो मिनट के लिए वो मिली और जब उसने अपना अनुभव सुनाया तो मुझे लगा कि देखो ज्ञान में कितनी पॉवर है। उसने कहा मैंने एक दिन ऐसे ही टीवी देखा, प्रोग्राम देखा तो अच्छा लगा। पहले दिन उसने जो एपिसोड देखा फर्स्ट टाइम, फर्स्ट डे। एपिसोड ये था कि अगर आपकी फैमिली में किसी की डैथ(मृत्यु) होती है और वो आत्मा अपनी जर्नी पर आगे जाती है तो आपको उसको कैसे याद करना है। क्योंकि याद तो आयेगी, हमेशा आयेगी। लेकिन अगर आप रोके याद करेंगे, दुःखी होकर याद करेंगे, ये सोचकर याद करेंगे कि आप चले गए, आपके बिना मेरा कैसा होगा, वापिस आ जाओ, मुझे कैसे छोड़कर चले गए तो ये सारे थॉट्स, ये सारे वायब्रेशन्स कहाँ पहुंचती हैं? कहाँ पहुंचती हैं? उस सॉल को पहुंचती हैं जो आगे किसी माँ के गर्भ में एंटर(प्रवेश) हो चुकी है। और ये सारी थॉट्स, ये सारी सोच जब उस बच्चे को पहुंचती है तो गर्भ के अन्दर वो बच्चा क्या होता है, बहुत दुःखी होता है, बहुत परेशान होता है। उस माँ को बड़ी तकलीफ होती है। अन्दर माँ के गर्भ में उस आत्मा का शरीर बन रहा है। और हम उसे इतनी दर्द की, दुःख की, निगेटिव एनर्जी दे रहे हैं।

उस बहन ने फर्स्ट एपिसोड देखा। कहती मुझे अच्छा लगा और मैंने रोज़ देखना शुरू किया। चार ही दिन देखा था, सिर्फ चार दिन और सिर्फ बीस मिनट। पाँचवें दिन उसके 21 साल के बेटे की एक्सीडेंट में मौत हो गई, और उस दिन उसने क्या कहा कि जैसे ही मुझे फोन आया और मुझे ये बात पता चली तो मेरी जो फर्स्ट थॉट थी वो ये थी कि मैं खुद या अपने परिवार को मेरे बेटे को दर्द देने नहीं दूंगी। न मैं खुद रोऊंगी और न मैं अपने घर में किसी को रोने दूंगी। जो उसको याद करेगा, प्यार से याद करेगा। परमात्मा को कनेक्ट करके शांति और शक्ति भेजेगा। रोके कोई याद नहीं करेगा ये उसकी फर्स्ट थॉट थी।

जब उसको वो बात पता चली फिर उस बहन ने क्या किया सेंटर पर कॉन्टेक्ट किया। सेंटर से बहनों को घर पर बुलाया और कहा कि 7 दिन आप हमारे घर पर इतना मेडिटेशन करो, ऐसा वातावरण क्रियेट करो कि हमारे घर पर जो भी आए, वो शांत हो जाये, एकाग्र हो जाये रोना नहीं चाहिए कोई, और उन्होंने किया। एक माँ को बेटा याद नहीं आयेगा, ये हो नहीं सकता। मिस नहीं करेगी ये हो नहीं सकता लेकिन एक है याद दर्द में, और दूसरी याद शांति, शक्ति और प्यार में। दो बातों में फर्क है।

इतनी पॉवर है हमारे अन्दर कि हम जीवन की सबसे बड़ी बात जिसके लिए दुनिया कहे कि नैचुरल है कि अगर ऐसा कुछ पता चलेगा तो क्या होगा? नैचुरल की परिभाषा हमारी बहुत अलग है लेकिन अगर ज्ञान समझ में आ जाये कि हमारे रोने से और हमारे अन्दर उस तरह से सोचने से उस आत्मा को दर्द मिलता है, उस आत्मा को दुःख मिलता है तो वो आत्मा पीछे की तरफ खींचती है। वो आत्मा अपनी आगे की जर्नी पर सेट नहीं हो पाती है। जब इतना सब समझ में आ जाता है तो सही सोचना बहुत इज़ी होता है... बहुत इज़ी होता है। और तब हमें ये पता चलता है कि हमारे अन्दर इतनी शक्ति है कि हमारे जीवन में कोई भी बात आ जाये एंड कोई भी मतलब कोई भी। तब हम उसका आसानी से सामना कर सकते हैं।

रामपुर-उ.प्र.। नवनिर्वाचित सांसद घनश्याम सिंह लोढ़ी को बधाई देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. संगीता बहन तथा ब्र.कु. प्रभा बहन।

दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एनएचआईडीसीएल,सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय,भारत सरकार के अधिकारियों के लिए आयोजित 'योग एक लाभ अनेक' विषयक कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पीयूष भाई।

समस्तीपुर-बिहार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक जे.के. सिंह। मंचासीन हैं ब्र.कु. सविता बहन, रोट्री क्लब के सिटी प्रज़िडेंट केशव किशोर प्रसाद तथा ब्र.कु. कृष्ण भाई।

नैनीताल-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर नेशनल प्रेस क्लब ऑफ इंडिया द्वारा ब्र.कु. नीलम बहन को सम्मानित करते हुए बायें से नेशनल प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर्य रत्न डॉ. सौरभ आर्य, कर्मवीर सिंह नागर,प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर,रेल मंत्रालय,भारत सरकार दिल्ली, ब्र.कु. वीना बहन, हरि अंगिरा जी,राष्ट्रीय अध्यक्ष,चेयरमैन,नेशनल प्रेस क्लब ऑफ इंडिया,उ.प्र., स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती,तपोनिष्ठ सन्यासी,वैदिक ज्ञान आश्रम,यमुनानगर हरियाणा तथा नंद गोपाल वर्मा,नेशनल चीफ सेक्रेट्री,कार्यालय ग्रेटर नोएडा,नेशनल प्रेस क्लब ऑफ इंडिया उ.प्र.।

बेतिया-संतघाट(बिहार)। 'कल्प तरु' परियोजना के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपवन सेवाकेन्द्र में आयोजित पौधा रोपण कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजना बहन, बेतिया हॉस्पिटल गायनिक डिपार्टमेंट से डॉ. सुधा भारती, विनोद जायसवाल, अनीता जायसवाल, धर्मेन्द्र जायसवाल तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

मोकामा-बिहार। विश्व योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में योग करवाते हुए योगा टीचर धर्मराज भाई। कार्यक्रम में घोसवरी के प्रखंड प्रमुख आकाश जी, मोकामा वार्ड 5 के मुखिया संजय गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता निलेश कुमार माधव, ब्र.कु. निशा बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

लुधियाना-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन एवं लुधियाना पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मैराथन में आमंत्रित किये जाने पर ब्रह्माकुमारीज़ के 50 भाई-बहनों ने मैराथन में भाग लिया। इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक, पुलिस कमिश्नर डॉ. कौस्तुभ शर्मा तथा एडिशनल डिप्टी कमिश्नर अमरजीत बैंस सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कानपुर-शिवली(उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कराते हुए योगाचार्य शिव किशोर मिश्रा। साथ हैं ब्र.कु. बिमलेश, ब्र.कु. नीरज, ब्र.कु. रूपा, ब्र.कु. रामबाबू, ब्र.कु. विष्णु भाई एवं गौरी बहन तथा अन्य।

रुदावल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी शुभ कामनायें देते हुए ब्र.कु. सुनीता बहन। साथ हैं पूर्व तहसीलदार मेवाराम बंसल तथा अन्य।

फरीदाबाद-एनआईटी(हरियाणा)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा, फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया, उजाला मित्रा ग्रुप तथा ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ के नीलम बाटा रोड स्थित सेवाकेन्द्र पर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विनय गुप्ता,चीफ मेडिकल ऑफिसर,बीके हॉस्पिटल फरीदाबाद, डॉ. पुनिजा हसीजा,प्रज़िडेंट,आईएमए हरियाणा, डॉ. भारती शर्मा,ट्रेजरर,आईएमए हरियाणा, पैट्रन डॉ. सुरेश अरोड़ा,आईएमए हरियाणा, समाज सेवी अजय नाथ, सुशील भाटिया,ब्यूरो चीफ,दैनिक जागरण, गुलशन भाटिया,चेयरमैन,होटल राजमंदिर, पूर्व मेयर सुमन बाला, रोटेरियन मनुज मदान सहित शहर के अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर ब्र.कु. पूनम दीदी ने सभी मेहमानों को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

अयोध्या-उ.प्र.। ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् रेलवे सुपरिंटेंडेंट विनोद कुमार को ओम शान्ति मीडिया, ईश्वरीय साहित्य व प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रियंका बहन। साथ हैं ब्र.कु. अखिलेश भाई।

उधमसिंह नगर-जम्मू एंड कश्मीर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मिलिट्री कैम्प में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए ब्र.कु. ममता बहन।